श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव

माननीय मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव का

अभ्युदय मध्यप्रदेश

2 साल विकास के बेमिसाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग

रेशम

हस्तशिल्प

हाथकरघा

खादी

माटीकला

24/02/2025 GIS समिट, भोपाल

25/02/2025 GIS समिट, भोपाल

09/04/2025 धार

परंपरा की छाप, मध्य प्रदेश की पहचान

कुटीर एवं ग्रामोद्योग
विभाग

श्री दिलीप जायसवाल
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग

मध्यप्रदेश अपनी समृद्ध परंपराओं, जीवंत विरासत और कुशल कारीगरों एवं बुनकरों के कारण देश ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान रखता है। ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग विभाग के अंतर्गत रेशम, खादी, हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र राज्य की सांस्कृतिक आत्मा के संवाहक हैं, जो आजीविका, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का सशक्त माध्यम भी हैं। वर्ष 2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के कलाकारों एवं बुनकरों का समग्र कल्याण सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें आधुनिक अवसरों से जोड़कर सशक्त बनाया जाए।

प्रदेश में फैले 40 से अधिक क्लस्टर एवं विविध शिल्प परंपराएँ, तथा 7 जिलों में ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) पहल के माध्यम से स्थानीय कारीगरी को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। परंपरा और विरासत को संरक्षित रखते हुए निर्यात को बढ़ावा देना, ओएनडीसी, वेबकॉमर्स प्लेटफॉर्म, फिनटेक समाधान, स्टार्टअप संस्कृति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एवं एसपीवी मॉडल जैसे आधुनिक साधनों को अपनाकर इस क्षेत्र को नए आयाम दिए जा रहे हैं। फ्यूजन आर्ट के माध्यम से पारंपरिक कला को आधुनिक डिजाइन से जोड़ने के प्रयास भी तेजी से आगे बढ रहे हैं।

सरकार द्वारा कलाकारों एवं शिल्पकारों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। स्टार्टअप हैकैथॉन, नवाचार आधारित उद्यमिता तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियाँ इस दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। मुझे विश्वास है कि सरकार, शिल्पकार, उद्यमी और युवा मिलकर मध्यप्रदेश को रेशम, खादी, हथकरघा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करेंगे।

Here's the Full List of the 18 Eligible Trades of PM Vishwakarma

- Carpenter (Suthar/Badhai)
- Boat Maker
- Armourer
- Blacksmith (Lohar)
- Hammer & Tool Kit Maker
- Locksmith
- Goldsmith (Sonar)
- Potter (Kumhar)
- Sculptor/Stone Carver/Stone Breaker (Moortikar)

- Cobbler (Charmkar/Shoesmith/ Footwear Artisan)
- Mason (Rajmistri)
- Basket/Mat/Broom Maker/Coir
- Weaver
- Doll & Toy Maker (Traditional)
- Barber (Nai)
- Garland Maker (Malakar)
- Washerman (Dhobi)
- Tailor (Darzi)
- Fishing Net Maker

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में ऋण प्रकरणों की स्वीकृति में राज्य का देश में चौथा स्थान तथा ऋण वितरण में तृतीय स्थान है। योजना अंतर्गत अभी तक निम्नानुसार उपलब्धि रही है—
    - ऋण स्वीकृत प्रकरण संख्या – 48,063, राशि रूपये 436.34 करोड
    - ऋण वितरण प्रकरण संख्या – 42,559, राशि रूपये 378.06 करोड
    - कौशल विकास प्रशिक्षण – 2,16,013 हितग्राही
    - टूलकिट वितरण – 85,536 हितग्राही
    - ई–वाउचर वितरण– 2,45,513 हितग्राही

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन में देश में मध्यप्रदेश की स्थिति

अन्य राज्यों की तुलना में भारत में मध्य प्रदेश की रैकिंग

केटेगरी	रैकिंग
प्रशिक्षण	2
ऋण वितरण	3
ई–वाउचर	3
स्वीकृत ऋण	4
टूल किट वितरण	5

बिक्री राजस्व

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा राशि रूपये 4207.15 लाख तथा खादी बोर्ड द्वारा राशि रूपये 2311.89 लाख कुल रूपये 65.19 Crore का विक्रय एम्पोरियम/प्रदर्शनियों के माध्यम से किया गया।

One District One Product

एक जिला एक उत्पाद योजना

एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत विभाग के लिये चयनित

1. जरी जरदोजी एवं जूट – भोपाल
2. लकडी के खिलौने – सीहोर
3. बाग प्रिंट – धार
4. दरी – सीधी
5. चंदेरी साडी – अशोकनगर
6. गुड – दतिया
7. बाटिक प्रिंट – उज्जैन

के उत्पादों की ब्रांडिग एवं विपणन की सुविधा, विभाग की प्रमोशन, ब्रांड बिल्डिंग एवं विपणन अधोसंरचना योजना अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही है।

डिंडोरी • गोंड पेंटिंग

खजुराहो • स्टोन क्राफ्ट

ग्वालियर • कारपेट

छतरपुर • फर्नीचर

उज्जैन • बाटिक प्रिंट

बैतूल • भरेवा मेटल

जबलपुर • स्टोन क्राफ्ट

ग्वालियर • पत्थर शिल्प

बालाघाट • वारासिवनी साडी

ग्वालियर • पेपर मेशी क्राफ्ट

मध्यप्रदेश की पारंपरिक कलाओं को मिला जीआई टैग : विरासत को नई पहचान

जी.आई.टैग

प्रदेश में निम्न शिल्पों को जी.आई.टैग प्रदान कराये गये –

- रॉट आयरन – जिला डिंडोरी
- बाटिक प्रिंट – जिला उज्जैन
- कालीन शिल्प – जिला ग्वालियर
- वारासिवनी हाथकरघा साडी – बालाघाट
- पत्थर शिल्प – जिला जबलपुर
- डिंडोरी – गोंड पेंटिंग
- जबलपुर (भेड़ाघाट) – स्टोन क्राफ्ट
- खजुराहो – स्टोन क्राफ्ट
- छतरपुर – फर्नीचर
- बैतूल – भरेवा मेटल क्राफ्ट

वर्ष 2024 - 25 में आवेदित 2 क्लस्टरों सीहोर के लकडी के खिलौने तथा नीमच के नांदना प्रिंट का जी.आई.टैग की कार्यवाही पूर्ण की गई है। प्रमाण पत्र प्रतिक्षित है।

Bagh Print Saree

Chanderi Saree

Maheshwari Saree

Maheshwari Saree

Kosa Silk Saree

देवी अहिल्याबाई होलकर बुनकर मेला 2024 गोहर महल ,भोपाल : फैशन शो

आरंभ एवं प्रचार – प्रसार

- मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली, भोपाल हाट तथा जवाहर चौक, भोपाल में मृगनयनी के साथ खादी का संयुक्त नवीन एम्पोरियम आरंभ किये गये।
- रीवा, जबलपुर, ग्वालियर एवं भोपाल में देवी अहिल्याबाई बुनकर मेले का आयोजन किया गया। 185 शिल्पियों द्वारा भागीदारी तथा फैशन शो का आयोजन किया गया।

मृगनयनी – खादी संयुक्त एम्पोरियम, जवाहर चौक, भोपाल

Fashion Show

देवी अहिल्याबाई होलकर बुनकर मेला 2024 गोहर महल ,भोपाल

- प्रदेश के बाहर मृगनयनी एम्पोरियमों द्वारा बैंगलोर, हैदराबाद, गोवा में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा मृगनयनी कोलकाता द्वारा भुवनेश्वर में भारत सरकार के हैण्डलूम एक्सपो में भागीदारी की गई। इंटरनेशनल ट्रेडफेयर में भी निगम की भागीदारी रही है।
- नगद रहित व्यवहारों को प्रोत्साहन देने हेतु की जा रही कार्यवाही निगम द्वारा समस्त भुगतान बैकों के माध्यम से RTGS/NEFT द्वारा किये जा रहे है।

Madhya Pradesh Govt. Emporium
Mrignaynee
Art from the heart

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग
दो वर्षों की उपलब्धियाँ

हस्तशिल्प | हाथकरघा

Exhibitions

एक्सपोस/वॉकथॉन

- विभाग एवं विभाग के समस्त घटकों के कार्यालयों में ई–फाईल संधारण सुनिश्चित किया गया है।
- भारत सरकार से नेशनल हैण्डलूम एक्सपो – 45.00 लाख, स्टेट हैण्डलूम एक्सपो – 60.00 लाख, जिला प्रदर्शनी मेला–6.00 लाख, इन्दौर में साडी वॉकथान – 20.00 लाख, राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस–28.00 लाख, कुल राशि रूपये 159.00 लाख प्राप्त करे 77 मेला/प्रदर्शनियां आयोजन कर 64,130 शिल्पियों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से मार्केट उपलब्ध कराया गया।
- दिनांक 7 मार्च 2024 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर इन्दौर में साडी वॉकथॉन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 27,000 महिलाओं द्वारा भागीदारी की गई। इस कार्यक्रम के लिए संस्था को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड का प्रमाण पत्र दिया गया है।
- साथ ही प्रदेश के 50 जिलों में प्रत्येक जिला मुख्यालय पर भी साडी वॉकथॉन का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक जिले की 1000 महिलाएं, कुल 50,000 महिलाओं द्वारा भागीदारी की गई।

Sari Walkathon

INDORE

NANDANA PRINT

Nandana print is a traditional mud-resist block-printing craft of Madhya Pradesh, practiced in its original form. Characterized by an intact rustic look and ancient motifs, Nandana prints adorn the traditional attire of Bhil tribe women. Artisans use natural dyes on pure cotton fabric, combined with age-old block designs inspired by nature. The unique blend of traditional techniques and natural materials gives Nandana prints a distinctive charm. Each piece showcases the artisans' skill and connection to their cultural heritage. With its earthy tones and timeless appeal, Nandana print is a treasured part of India's rich textile legacy and cultural identity.

BAGH PRINT

Bagh print sarees are a traditional Indian textile art form from Madhya Pradesh, known for their bold and vibrant hand-block prints. Skilled artisans use natural dyes, including alizarin for deep reds and other earthy tones, to create intricate patterns, geometric designs, and floral motifs on high-quality cotton or silk fabrics. The printing process showcases the artisans' expertise, resulting in unique and earthy tones. Bagh print sarees are prized for their craftsmanship, elegance, and timeless appeal. Each saree is a testament to the artistry and skill of the craftspeople, making them a treasured possession for anyone who appreciates traditional Indian textiles and cultural heritage. Vibrant yet earthy.

CHANDERI SAREE

Chanderi craft is a traditional textile art from Madhya Pradesh, renowned for its lightweight, translucent, and elegant fabrics. Dating back to the 7th century, Chanderi sarees are prized for intricate designs, subtle motifs & masterful weaving. Skilled artisans weave delicate floral patterns and geometric designs on traditional handlooms using high quality silk or cotton yarns. Each saree reflects the skill, patience, and artistry of its creators, showcasing India's rich textile heritage. With its unique cultural and geographical significance, Chanderi craft has received the Geographical Indication (GI) tag, preserving its legacy for future generations and symbolizing timeless elegance.

BATIK PRINT

Batik prints from Ujjain are a traditional Indian textile art form, characterized by intricate designs created using a wax-resist dyeing technique. Artisans apply melted wax to the fabric using handblocks, resisting the dye and creating unique patterns. The fabric is then dyed, and the wax is removed, revealing the design.This labor-intensive process requires great skill and precision. Batik prints from Ujjain feature beautiful, intricate designs, often with floral motifs and geometric patterns. Each piece is a testament to the artisan's craftsmanship, making them a treasured possession for anyone who appreciates traditional Indian textiles & cultural heritage. Vibrant & distinctive.

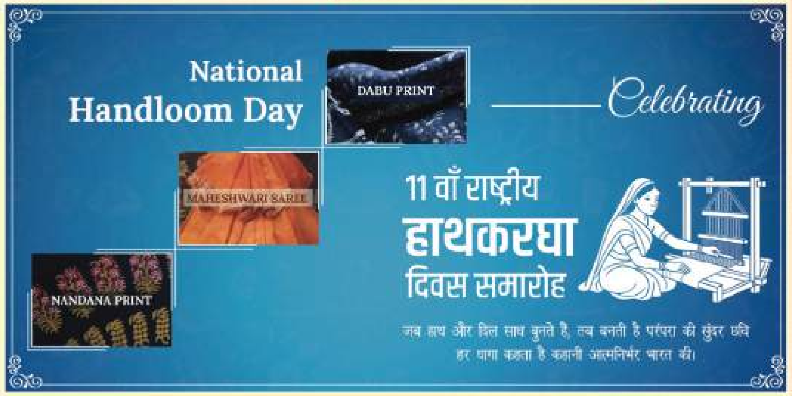

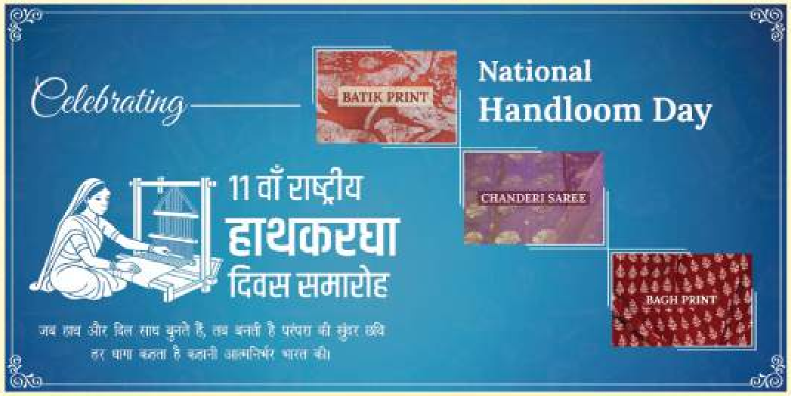

National Handloom Day 2025

गोहर महल ,भोपाल : फैशन शो

Madhya Pradesh Govt. Emporium
Mrignayanee
Art from the heart

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग
दो वर्षों की उपलब्धियाँ

हस्तशिल्प | हाथकरघा

National Handicraft Week 2025

Madhya Pradesh Govt. Emporium

Mrignayanee

Art from the heart

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग
दो वर्षों की उपलब्धियाँ

हस्तशिल्प | हाथकरघा

National Handicraft Week 2025

नवोदित एवं वरिष्ठ कारीगरों की पहचान एवं सम्मान कार्यक्रम गोहर महल ,भोपाल : फैशन शो

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

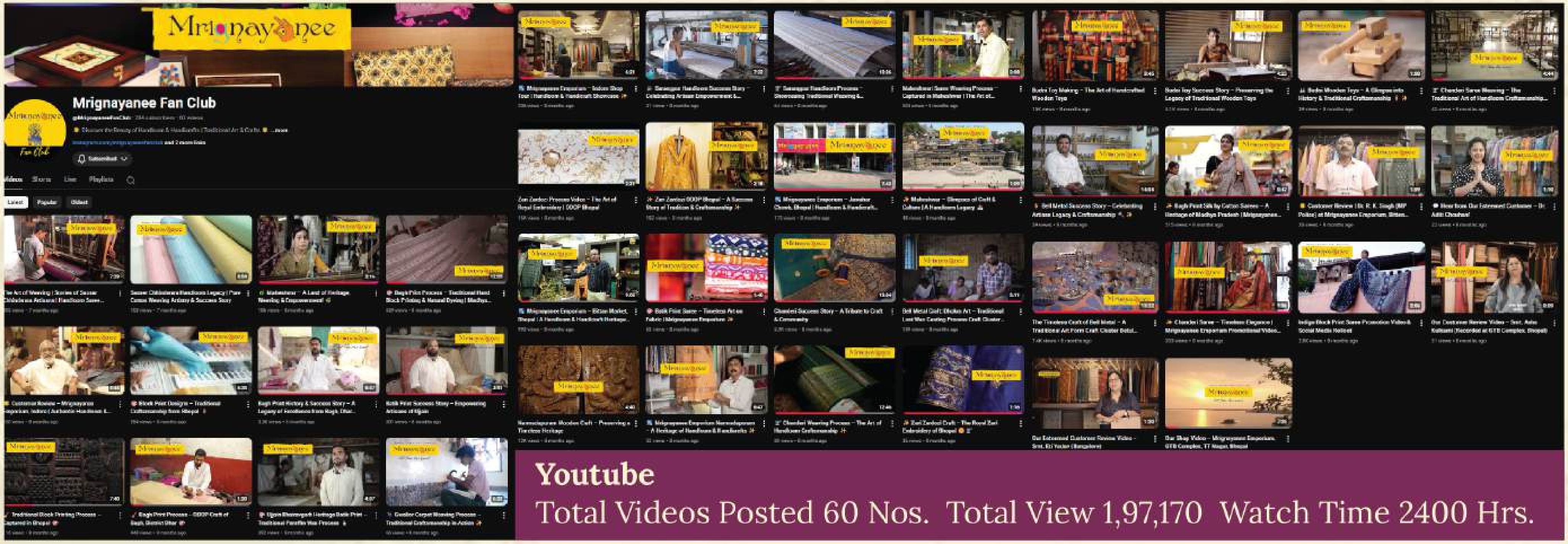

Youtube

Total Videos Posted 60 Nos. Total View 1,97,170 Watch Time 2400 Hrs.

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

Instagram

Total Insta Posted 241 Nos. | Total View 30 Lakh + | Engagement 110k

मृगनयनी उत्पादों की झलक

मृगनयनी उत्पादों की झलक

मृगनयनी उत्पादों की झलक

मृगनयनी उत्पादों की झलक

Madhya Pradesh Govt. Emporium

Mrignayanee

Art from the heart

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग
दो वर्षों की उपलब्धियाँ

हस्तशिल्प | हाथकरघा

समाचारों में मृगनयनी

THE TIMES OF INDIA

Shah engages with Bagh print artisan Khatri at GIS

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com Bhopal Main - 22 Apr 2025 - Page 12

28 तक चलेगा मृगनयनी एम्पोरियम में चंदेरी उत्सव

52 हजार की बादल महल साड़ी बनी आकर्षण का केंद्र

यह है बादल महल साड़ी की विशेषता

नवभारत

www.navbharatlive.com

2,58,500 रु. की चंदेरी का विशेष आकर्षण

मृगनयनी प्रदर्शनी को भारी प्रतिसाद

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 20-04-2025

मृगनयनी जीटीबी में चंदेरी उत्सव 2025 का शुभारंभ

6 हजार से 1.32 लाख तक की साड़ियां

जीटीबी मृगनयनी एम्पोरियम में महेश्वर उत्सव का कल अंतिम दिन

महेश्वरी साड़ी बनी पारंपरिक बुनाई और नई डिजाइन का अद्भुत संगम

महिलाओं की पहली पसंद

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 20-07-2025

गौहर महल में प्रदर्शनी शुरू, बचपन की सौंधी खुशबू से महका मृगनयनी हाट

दूधिया लकड़ी से बने झुनझुने, जोकड़ गाड़ी, घोड़ा गाड़ी, डॉल सेट जैसे दुर्लभ खिलौने आए

गौहर महल में सावन मेले की शुरुआत

नक्काशीदार लकड़ी की नंदी प्रतिमा, कीमत 44,500 रु.

पत्रिका

11वें राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय उत्सव शुरू

मंच पर दिखा फैशन और परंपरा का संगम

हैंडलूम डे पर विरासत में बुनाई, शिल्प और सम्मान का उत्सव

स्वदेश ज्योति

गौहर महल में शुरू हुआ शिल्प-संवेदना और परंपरा का उत्सव

गौहर महल में अहिल्याबाई होलकर हस्तशिल्प मेले में आए यूनिक आइटम

हस्तकला में प्रयोग : पहली बार ताश के पत्तों की थीम पर बाग प्रिंट, जूट से तैयार की दरी

गौहर महल में जनजातीय शिल्प-उत्सव

मेले में दिखी सांस्कृतिक विरासत और लोक-हस्तकला की झलक

TOI

Bhopal's historic Gauhar Mahal glows with lamps as city celebrates Dhanteras

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

Instagram
@mrignayaneefanclub

Youtube
@MrignayaneeFanClub

Website
mrignayaneeclub.com

Madhya Pradesh Govt. Emporium
Mrignayanee
Art from the heart

देश के प्रथम जेनेटिक बायोडायवर्सिटी सिल्क टेक पार्क की स्थापना पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में की गई है। यहाँ पर चारों प्रकार के रेशम पाए जाते हैं।

मलबरी

ट़सर

मूंगा

ऐरी

रेशम समृद्धि योजना के क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रि–परिषद द्वारा भारत सरकार की सिल्क समग्र–2 योजना को 25% राज्यांश के साथ, राज्य में रेशम समृद्धि योजना के रूप में क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

योजना अंतर्गत हितग्राहियों को रेशम उत्पादन संबंधी 23 गतिविधियों में सहायता प्राप्त होगी, जिसमें सामान्य वर्ग के हितग्राही को इकाई लागत की 75 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 90 प्रतिशत आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। इसमें क्रमश: 25 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत हितग्राही अंश रहेगा। योजना के क्रियान्वयन से मलबरी, वन्या और पोस्ट ककून क्षेत्रों में हितग्राहियों की सतत् रोजगार उपलब्ध होने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी।

वर्तमान में कुल लागत इकाई राशि रूपये 3.65 लाख होती थी जिसमें 2.0875 लाख राज्य शासन से राज्य सहायता प्राप्त होती थी। रेशम समृद्धि योजना में इकाई की कुल लागत राशि रूपये 5 लाख होगी। उसमें से सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को केन्द्रांश राशि रूपये 2.50 लाख, राज्यांश राशि रूपये 1.25 लाख एवं हितग्राही का अंश राशि रुपये 3.25 लाख तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को केन्द्रांश राशि रूपये 3.25 लाख, राज्यांश राशि रूपये 1.25 लाख एवं हितग्राही का अंश राशि रूपये 0.50 लाख होगा। यह योजना रेशम किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

जेनेटिक बायोडायवर्सिटी
सिल्क टेक पार्क, पचमढ़ी
झील
मलबरी – 18 एकड़
टसर – 20 एकड़
मूंगा – 20 एकड़
ईरी – 1 एकड़
पोलो गार्डन
धूपगढ़ रोड

दो वर्ष की उपलब्धि

क्र.	विभागीय की उपलब्धि दिसम्बर 2023 से नवम्बर 2025 तक	उपलब्धि
1	निजी क्षेत्र में मलबरी पौधरोपण (एकड)	231
2	शासकीय रेशम केन्द्रों पर मलबरी पौधरोपण (एकड)	182
3	मलबरी हितग्राही संख्या	3611
4	टसर हितग्राही संख्या	842
5	मलबरी ककून उत्पादन (लाख किलोग्राम)	2.64
6	टसर ककून उत्पादन (लाख संख्या)	31.51

वित्तीय वर्ष 2026 - 27, 2027 - 28 एवं 2028 - 29 की कार्य योजना के प्रस्तावित लक्ष्य

क्र.	योजना का नाम	वर्ष 2026 - 27	वर्ष 2027 - 28	वर्ष 2028 - 29
		भौतिक लक्ष्य	भौतिक लक्ष्य	भौतिक लक्ष्य
1	मलबरी स्वस्थ समूह कृमिपालन	6.00 लाख	7.50 लाख	9.00 लाख
2	मलबरी ककून उत्पादन किलोग्राम	2.00 लाख कि.ग्रा.	2.50 लाख कि.ग्रा.	3.00 लाख कि.ग्रा.
3	टसर स्वस्थ समूह कृमिपालन	5.00 लाख	6.00 लाख	7.00 लाख
4	टसर ककून उत्पादन नगसंख्या	50.00 लाख नग संख्या	60.00 लाख नग संख्या	70.00 लाख नग संख्या
5	मलबरी हितग्राही संख्या	2100	2150	2200
6	टसर हितग्राही संख्या	600	650	700
7	रेशम केन्द्रों पर पौधरोपण	200 एकड़	200 एकड़	200 एकड़
8	निजी क्षेत्र में पौधरोपण	500 एकड़	700 एकड़	800 एकड़

रेशम उद्योग से महिला सशक्तिकरण

रेशम कृषि मेला 2025: रायपुर रेशम केंद्र

ककून मार्केट, नर्मदापुरम

मंडियों का सुचारु संचालन

कामठी में नए प्राकृत शोरूम का शुभारंभ

मढ़ई, जिला नर्मदापुरम में सिल्क टूरिज़्म की शुरुआत

मढ़ई, जिला नर्मदापुरम में सिल्क टूरिज़्म की शुरुआत

प्राकृत डिजाइनर कलेक्शन

Product - Saree Jackets

- Fabric - Eri [Ahimsa Silk]
- Design contribution - Anushreya Bhadoriya , Mayuri Mishra
- Mentor -Dr. Aradhana Hans

Product - Saree Jackets

- Fabric - Eri [Ahimsa Silk]
- Design contribution - Anushreya Bhadoriya , Mayuri Mishra
- Mentor -Dr. Aradhana Hans

- **Product - Ready to Wear Saree with pocket**
- **Fabric - Dupion Silk**
- **Design contribution - Anushreya Bhadoriya , Mayuri Mishra**
- **Mentor -Dr. Aradhana Hans**

प्राकृत डिजाइनर कलेक्शन

- Product - Saree Jacket
- Fabric - Dupion Silk
- Design contribution - Anushreya Bhadoriya , Mayuri Mishra
- Mentor -Dr. Aradhana Hans

प्राकृत डिजाइनर कलेक्शन

MALBARI SILK - MAHESHWARI PATTERN
DESIGNED BY - FARHAT MALIK

TUSSAR SILK- SCARF
HANDPAINTING
DESIGNED BY - AAYUSHI AGARWAL

MULBERRY SILK - BAGH PRINT
DESIGNED BY - SURYANSH VYAS

MULBERRY SILK - BAGH PRINT
DESIGNED BY- SURYANSH VYAS

TUSSAR SILK - SCARF
HANDPAINTING
DESIGNED BY - AAYUSHI AGARWAL

प्राकृत डिजाइनर कलेक्शन

MULBERRY SILK - BAGH PRINT
DESIGNED BY- SURYANSH VYAS

MULBERRY SILK
HANDWOVEN SAREE

TUSSAR SILK - SCARF
HANDPAINTING
DESIGNED BY - AAYUSHI AGARWAL

CHIFFON SILK - SAREE
DESIGNED BY - SURYANSH VYAS

DUPIAN SILK - SAREE
HANDPRINTING

रेशम की गतिविधिया

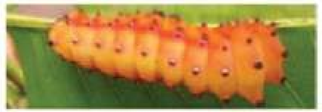

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम –
  स्वीकृत ग्रामोद्योग इकाई – 2568, वितरित अनुदान राशि – 63.00 करोड़, बैंक से स्वीकृत ऋण – 252.00 करोड़, नवीन रोजगार – 6300
- कौशल उन्नयन विकास कार्यक्रम योजना में 1710 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के प्रचार–प्रसार हेतु 4 राष्ट्रीय स्तर, 6 राज्य स्तरीय एवं 49 जिला/संभाग स्तर के मेले एवं प्रदर्शनी का आयोजन एवं अन्य विभागों/संस्थानों द्वारा आयोजित 24 प्रदर्शनियों एवं प्रदेश के बाहर 8 प्रदर्शनियाँ नई दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता, रॉची, राजनान्दगॉव एवं रायपुर में सहभागिता
- विक्रय – एम्पोरियम से रुपये 23.00 करोड़

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

- बोर्ड के विभागीय उत्पादन केन्द्रों एवं विक्रय एम्पोरियमों की उत्पादन एवं विपणन संबंधी कार्यों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ई.आर.पी. साफ्टवेयर https://www.mpkvib.in तैयार कराया जाकर कार्य प्रारंभ किया गया
- खादी ग्रामोद्योग के क्षेत्र की जानकारी आमजन को सुगमता से उपलब्ध कराए जाने हेतु वेबसाईट https://mpkadigramodyog.com तैयार कराई गई । बोर्ड द्वारा संचालित उत्पादन विपणन, प्रशिक्षण एवं अन्य विकासात्मक कार्यों के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु डिजिटल प्लेटफार्म, सोशल मीडिया यथा फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू–ट्यूब इत्यादि पर कबीरा खादी ब्राण्ड एवं विन्ध्यावैली ब्राण्ड के अकाउन्ट तैयार करवाए गए हैं ।

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

म.प्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निर्मित Website : https://mpkhadigramodyog.com

दो वर्ष की उपलब्धि

- विभागीय उत्पादन केन्द्रों के माध्यम से खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग सामग्री का राशि रूपये 1015.21 लाख का उत्पादन एवं 650 कत्तिन, बुनकर तथा अन्य कारीगरों को सतत् रोजगार ।
- सेवा पखवाड़ा अन्तर्गत विभागीय उत्पादन केन्द्रों के माध्यम से 427 नवीन कत्तिन एवं बुनकरों का चयन एवं खादी कताई, बुनाई कार्य का प्रशिक्षण दिलाया जाकर उत्पादन कार्य करवाया जाना ।

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

शुद्ध एवं प्राकृतिक कच्ची घानी सरसों तेल

खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम, महेश्वर, खरगोन

कच्चे ऊन से कबंल ग्राहक तक

प्रकृति की कार्यशाला शहद प्रशोधन

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

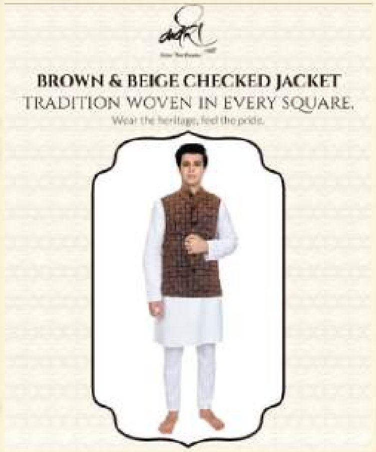

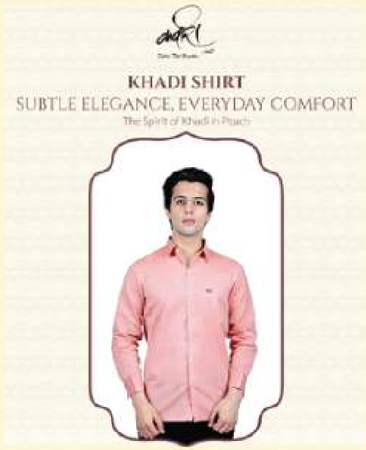

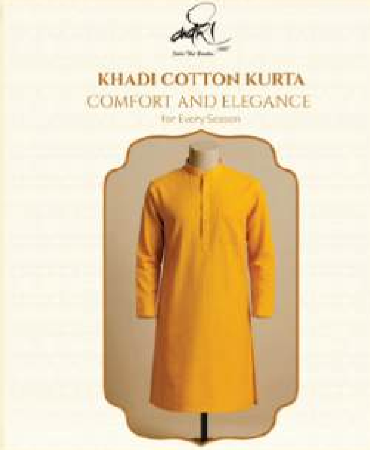

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

कबीरा उत्पादों की झलक

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

कबीरा उत्पादों की झलक

विंध्या वैली मसाले

विंध्या वैली
धनिया पाउडर
हल्दी पाउडर
लाल मिर्च पाउडर
Vindhya VALLEY
Kitchen King Masala
म.प्र. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड

विंध्या वैली हर्बल सोप

विंध्या वैली शैम्पू

Vindhya VALLEY HERBAL
BLACK SHINE
HAIR CLEANSER & CONDITIONER
With Amla, Areetha & Shikakai extracts
100% ORGANIC
AUTHENTIC AYURVEDA
500ml
MAHA BHRINGRAJ
ayurvedic hair oil with amla, areetha and shikakai extract
Ayurvedic Shampoo
Red Onion
Hair Fall Control Shampoo
RED ONION OIL
onion and black seeds oils with jojoba, castor & coconut
DEEP CLEANSING
Cleanser for Dry to Normal Hair
With Shikakai, Gulab & Areetha extracts

विंध्या वैली अचार

म.प्र. खादी ग्रामोद्योग

विंध्या वैली
स्वाद कमाल
शुद्धता बेमिसाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग

खादी एवं ग्रामोद्योग

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

विंध्या वैली शुद्ध शहद

विंध्या वैली शहद एक शुद्ध एवं प्राकृतिक अनमोल उपहार है, यह शहद स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त लाभकारी है । केमिकल, प्रिजर्वेटिव रहित अपनी प्राकृतिक गुणवत्ता एवं पोषक तत्वों से भरपूर है । पुष्पों के रस से मधुमक्खियों द्वारा एकत्रित यह शहद ऊर्जा, स्फूर्ति एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है ।

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

कच्ची घानी सरसों का तेल

कच्ची घानी शुद्ध सरसों तेल – विंध्या वैली ब्राण्ड कच्ची घानी सरसों का तेल पारम्परिक लकड़ी के कोल्हू में कोल्ड प्रोसेस विधि से तैयार, प्राकृतिक गुण, स्वाद, सुगंध और पोषक तत्व से भरपूर है । ओमेगा ३ और एंटी आक्सीडेंट युक्त सरसों तेल ह्रदय को स्वस्थ एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर पाचन को बेहतर रखता है । कच्ची घानी सरसों तेल खाना एवं अचार बनाने, मानव शरीर की मालिश, बालों के लिए गुणकारी एवं दैनिक जीवन में स्वाद एवं सेहत प्रदान करता है ।

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

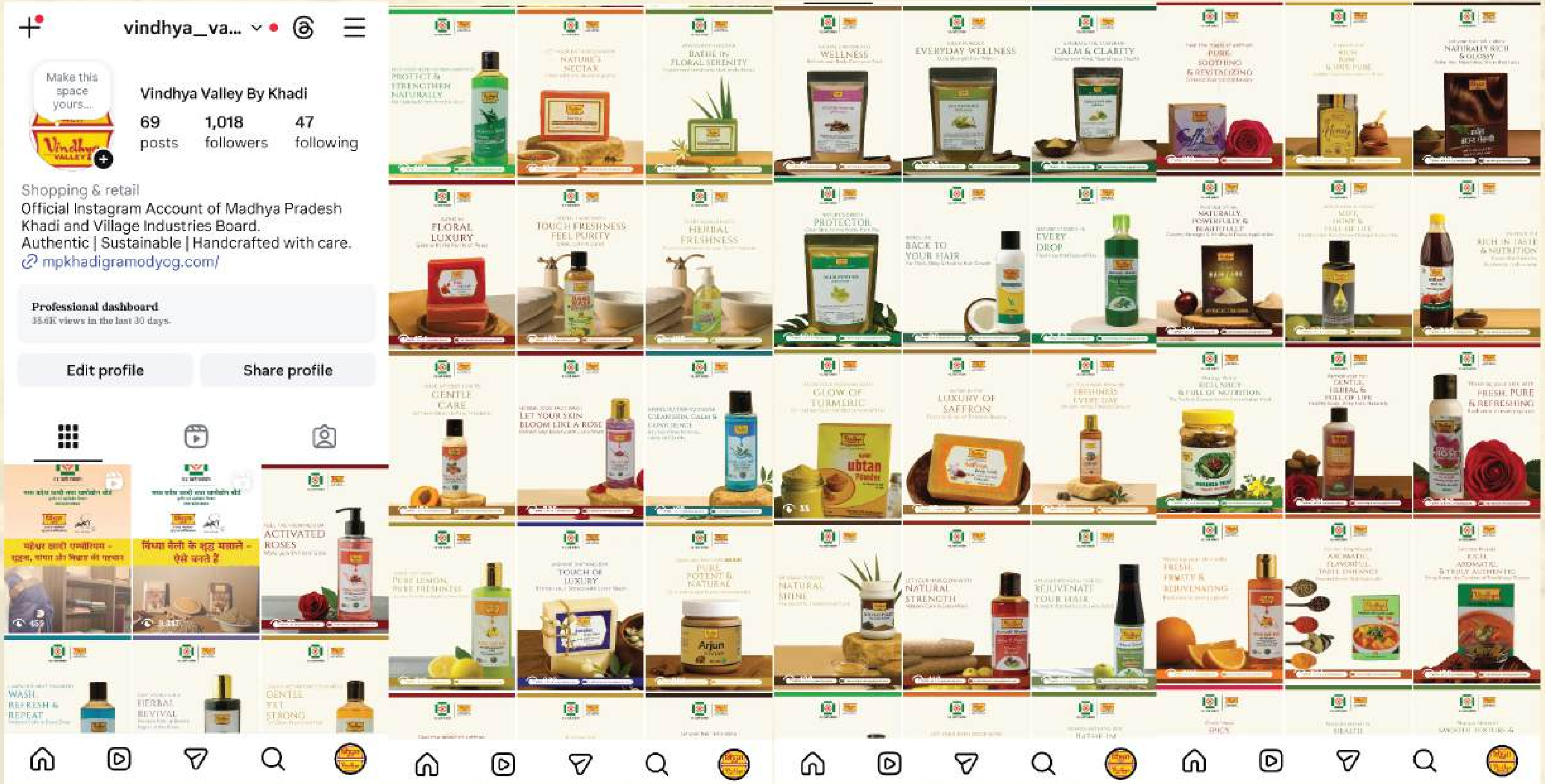

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

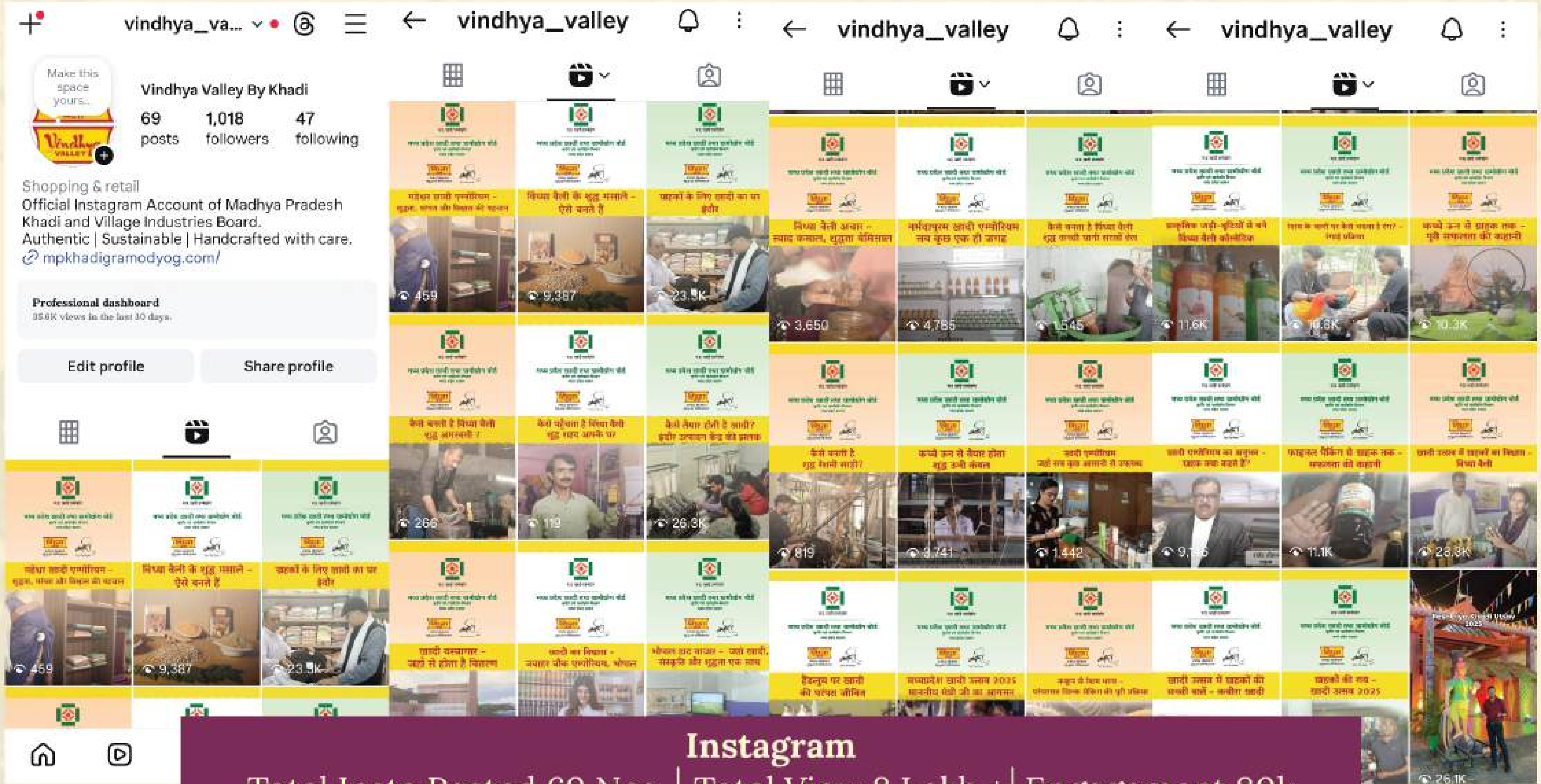

Instagram

Total Insta Posted 69 Nos. | Total View 8 Lakh + | Engagement 80k

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

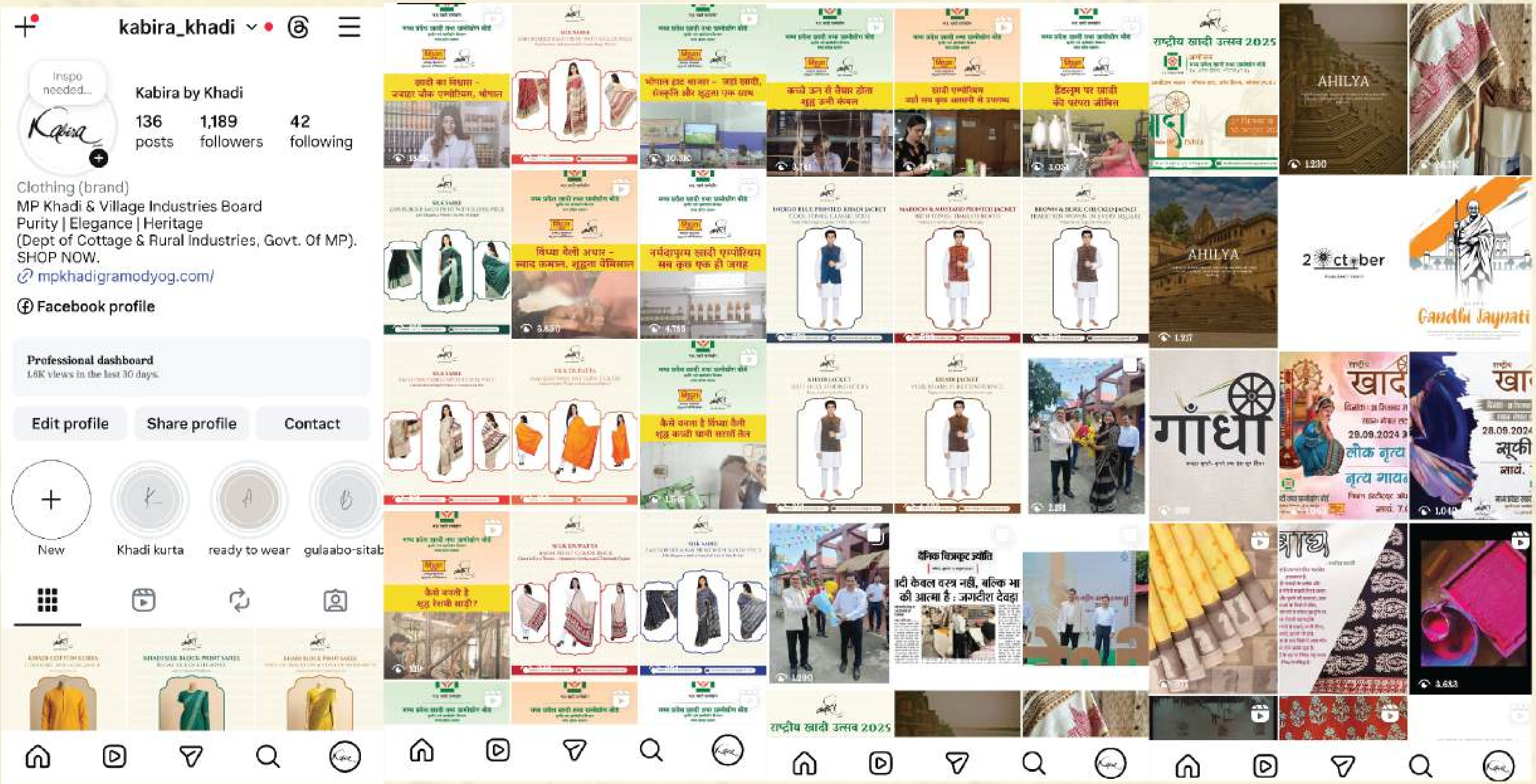

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

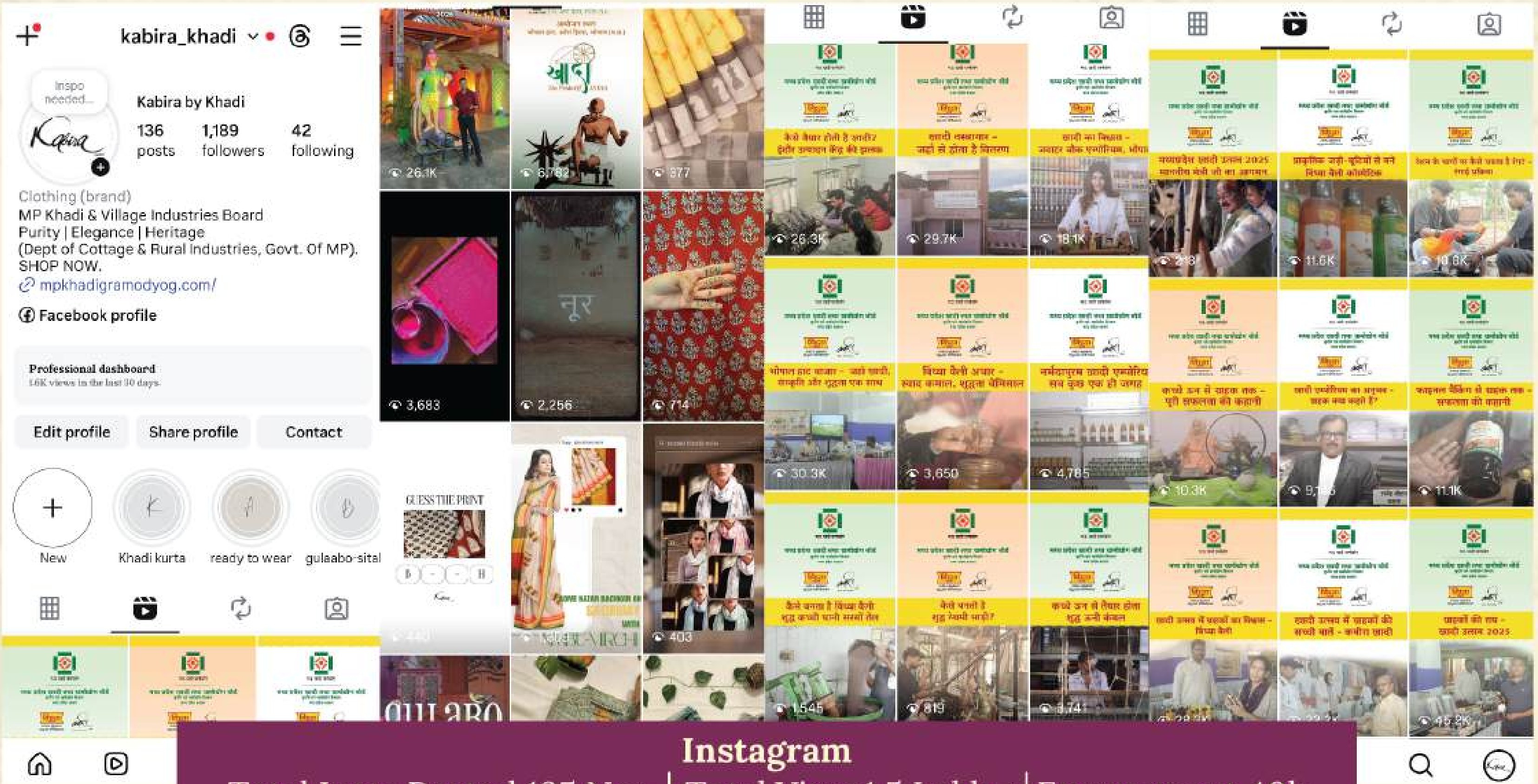

Instagram
Total Insta Posted 135 Nos. | Total View 1.5 Lakh + | Engagement 40k

सोशल/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार

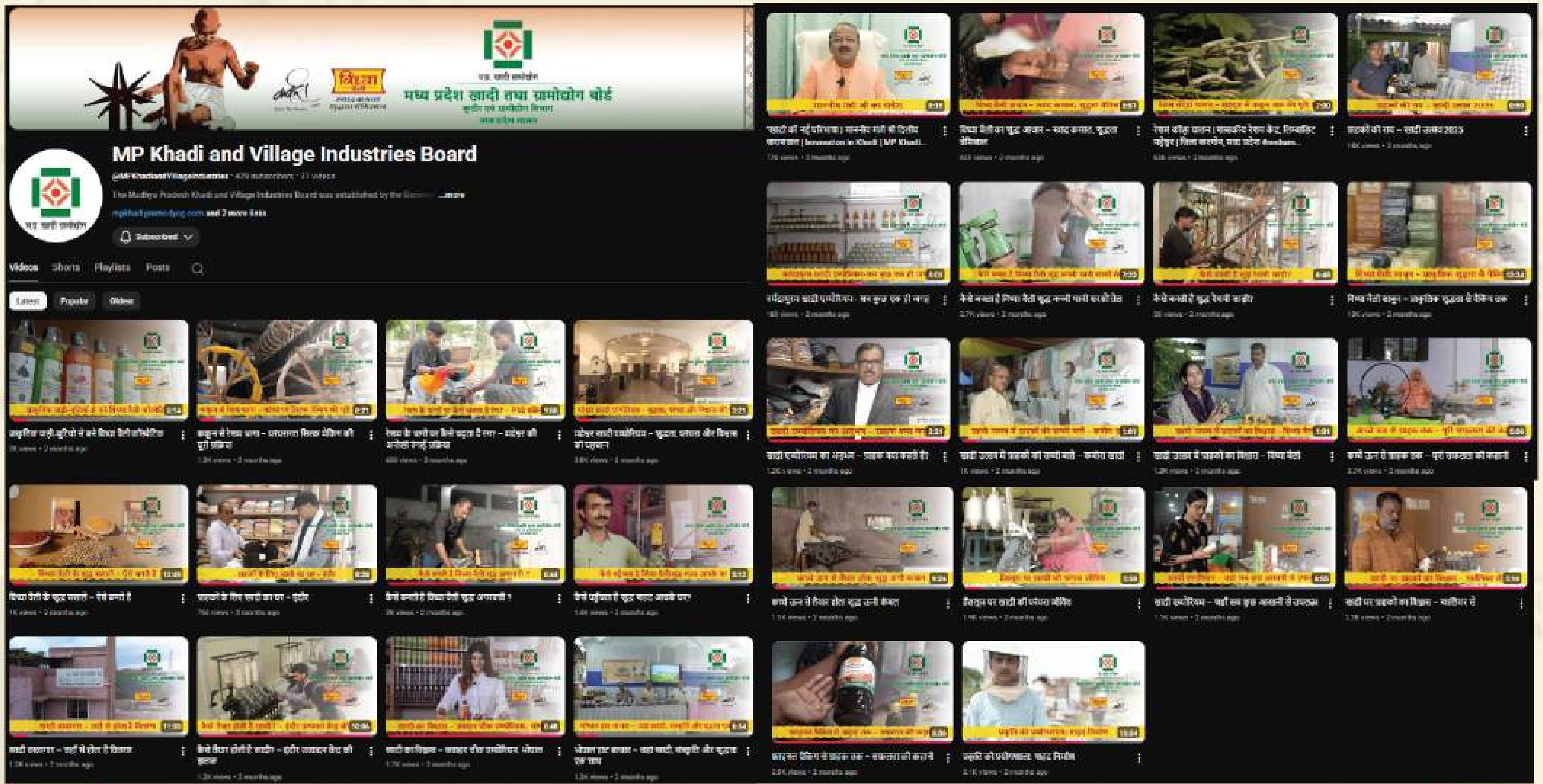

Youtube
Total Videos Posted 31 Nos. | Total View 77,000 | Watch Time 1500 Hrs.

मध्य प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, भोपाल
आगामी तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विवरण

- खादी वस्त्र उत्पादन – विभागीय खादी उत्पादन केन्द्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि किये जाने हेतु उत्पादन केन्द्र की मांग अनुसार अतिरिक्त चरखे एवं लूम उपलब्ध कराए जाकर खादी वस्त्र उत्पादन को दोगुना लगभग राशि रू. 10.00 करोड़ किया जाएगा
- तेलघानी केन्द्र, ग्वालियर का उन्नयन – विभागीय तेल उत्पादन केन्द्र, ग्वालियर में कच्ची घानी से सरसों तेल का उत्पादन किया जाता है । सरसों तेल की मांग अत्यधिक होने एवं तेलघानी केन्द्र, ग्वालियर की उत्पादन कम होने से उत्पादन क्षमता में वृद्धि हेतु कार्यवाही की जा रही है । इसके लिए भवन निर्माण एवं नवीन कच्ची घानियॉं स्थापित कराई जाकर सरसों तेल लगभग राशि रू. 2.00 करोड का उत्पादन कराया जाएगा ।
- स्फूर्ति/CDP योजना प्रस्ताव – सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित स्फूर्ति योजना अन्तर्गत प्रदेश के पॉच जिलों में खादी वस्त्र उत्पादन, खादी वस्त्र प्रोसेस कार्य, चर्म सामग्री निर्माण कार्य के लिए उत्पादन केन्द्रों के विस्तार एवं विकास का प्रस्ताव तैयार किया गया है ।

आगामी तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विवरण

स्फूर्ति / CDP योजना अंतर्गत प्रस्ताव

क्र.	प्रस्तावित केन्द्र	प्रस्तावित केन्द्र	जिला	प्रस्तावित राशि	संभावित रोजगार संख्या
1.	खादी उत्पादन केन्द्र	ग्राम पटनाकरी, रेहली	सागर	250.00 लाख	150 लगभग
2.	रेशम उत्पादन केन्द्र	महेश्वर	खरगोन	250.00 लाख	150 लगभग
3.	खादी उत्पादन केन्द्र	ग्राम – जैनाबाद	बुरहानपुर	500.00 लाख	500 लगभग
4.	खादी उत्पादन केन्द्र	ग्राम – बालगढ़	देवास	250.00 लाख	150 लगभग
5.	पॉलिवस्त्र केन्द्र	ग्राम – ताजपुर	उज्जैन	500.00 लाख	550 लगभग
6.	चर्म सामग्री निर्माण एवं प्रशिक्षण केन्द्र	ग्राम – बालगढ़	देवास	500.00 लाख	300 लगभग
			कुल	2250.00 लाख	1800 लगभग

आगामी तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विवरण

- विभागीय पोनी प्लांट की स्थापना – बोर्ड के विभागीय उत्पादन केन्द्रों में खादी वस्त्र उत्पादन के लिए कच्चा माल/पोनी का क्रय खादी ग्रामोद्योग आयोग के पोनी प्लांट से होता है । समय पर पोनी प्राप्त नहीं होने के कारण बोर्ड के विभागीय उत्पादन केन्द्रों में उत्पादन कार्य प्रभावित होता है एवं कत्तिन बुनकरों को निरंतर रोजगार प्राप्त नहीं हो पाता है । इसके लिए बोर्ड द्वारा ग्राम बालगढ़ देवास में बोर्ड की भूमि पर पोनी प्लांट की स्थापना की जा रही है, पोनी प्लांट के लिए राशि रूपये 10.00 करोड़ से भवन निर्माण एवं राशि 5.00 करोड़ से मशीनरी, संयंत्र स्थापना की कार्यवाही प्रचलन में है ।

- ओ.एन.डी.सी. – ओ.एन.डी.सी. प्लेट फार्म पर खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के विक्रय के लिए प्लेटफार्म तैयार करवाया जाएगा ।

- एक जिला एक उत्पाद (दतिया – गुड़) – भारत सरकार की क्लस्टर विकास योजना (सी.डी.पी.) अन्तर्गत एक जिला एक उत्पाद योजना में बोर्ड के लिए चयनित जिला दतिया में गुड़ उत्पाद के लिए उत्पादन, प्रचार–प्रसार, ब्रांण्डिंग, पैकेजिंग एवं विपणन कार्य हेतु सी.एफ.सी. की स्थापना कराया जाना ।

आगामी तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विवरण

- वर्तमान बाजार की मांग के अनुरूप बोर्ड द्वारा संचालित खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम, जबलपुर के फर्नीचर का नवीनीकरण एवं चित्तौड़ काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, भोपाल में खादी माल का निर्माण कार्य वर्ष 2026 - 27 में पूर्ण कराया जाना ।

- उज्जैन जिले में कंठाल चौराहे पर खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम के संचालन हेतु नवीन भवन का निर्माण एवं क्षीरसागर, उज्जैन स्थित दुकानों का पुनर्निमाण कराया जाना ।

- कबीरा खादी एवं विन्ध्यावैली ब्राण्ड – बोर्ड के कबीरा खादी ब्राण्ड में वर्तमान फैशन एवं मांग अनुसार खादी रेडीमेड गारमेंट्स का उत्पादन एवं विक्रय कार्य एवं विन्ध्यावैली वैली ब्राण्ड अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं प्राकृतिक एफ.एम.सी.जी. उत्पादों का उत्पादन एवं विक्रय कार्य ।

- मेले एवं प्रदर्शनियों का आयोजन एवं सहभागिता – खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं विक्रय में वृद्धि हेतु अधिक से अधिक मेले एवं प्रदर्शनियों का आयोजन एवं अन्य आयोजनों में सहभागिता किया जाना ।

म.प्र. माटीकला बोर्ड

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 15 जिलों में 414 को प्रशिक्षण
- मिट्टी की मूर्तियॉ एवं टेराकोटा का प्रशिक्षण आयोजन

माटीकला प्रचार–प्रसार

- 52 मेलो/प्रदर्शनियों में प्रदर्शन सह विक्रय
- प्रदेश के प्रमुख हाट बाजारों में माटीकला शिल्पियों को नि:शुल्क स्थान उपलब्ध कराने एवं टेक्स को मुक्त करने हेतु निर्देश

मध्य प्रदेश माटीकला बोर्ड
आगामी तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विवरण

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 1042 हितग्राहियों को प्रशिक्षण

माटीशिल्प प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र (CFC) निर्माण प्रस्ताव

- विकास आयुक्त, हेण्डीक्राफ्ट वस्त्र मंत्रालय भोपाल – 92.98 लाख

प्रचार–प्रसार हेतु आगामी प्रस्तावित कार्य

- मेले एवं प्रदर्शनियों में सहभागिता

राज्य स्तरीय पर प्रदर्शनी

- कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदेश में कार्य आयोजित होने एवं प्रदर्शनियों में माटीशिल्पियों को अपने उत्पादों के विक्रय हेतु निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा ।

म.प्र. खादी ग्रामोद्योग

Fabric That Breathes (खादी)

विंध्या वैली

स्वाद कमाल शुद्धता बेमिसाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग

खादी एवं ग्रामोद्योग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

Instagram
@vindhya__valley

Instagram
@kabira

Youtube
@MPKhadiandVillageIndustries

Website
mpkhadigramodyog.com

विंध्या वैली

स्वाद कमाल
शुद्धता बेमिसाल

Fabric That Breathes (खादी)